



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ रक्षाबंधन पूजा विधि ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ रक्षाबंधन पूजा विधि ॥

रक्षाबंधन के दिन भाई-बहन स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान का स्मरण करके पूजा की तैयारी करें। इसके बाद शुभ मुहूर्त में भाई को राखी बांधी जाती है। राखी बांधने से पहले भगवान गणेश और अपने इष्ट देव का पूजन करना शुभ माना जाता है।

रक्षाबंधन पूजा सामग्री

राखी

रोली या कुमकुम

अक्षत (चावल)

हल्दी

दीपक और घी

धूप-अगरबत्ती

पुष्प

मिठाई

पूजा की थाली

जल से भरा कलश

नारियल

भाई के लिए उपहार

रक्षाबंधन पूजा की विधि

पूजा स्थल की सफाई करें

सबसे पहले घर और पूजा स्थान को स्वच्छ करें। पूजा की थाली तैयार करके उसमें राखी, रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई और पुष्प रखें।

भगवान का पूजन करें

भगवान गणेश, अपने इष्ट देव तथा भगवान विष्णु का स्मरण करके दीपक जलाएं और धूप-पुष्प अर्पित करें।

भाई को पूजा के लिए बैठाएं

भाई को स्वच्छ आसन पर बैठाएं। परंपरा के अनुसार भाई का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखना शुभ माना जाता है।

तिलक लगाएं

बहन भाई के माथे पर रोली या कुमकुम का तिलक लगाएं और उसके ऊपर अक्षत लगाएं।

राखी बांधें

शुभ मुहूर्त में भाई की कलाई पर राखी बांधें। राखी बांधते समय रक्षा सूत्र के मंत्र का उच्चारण किया जा सकता है:

“येन बद्धो बलि राजा दानवेन्द्रो महाबलः।

तेन त्वामभिवध्नामि रक्षे मा चल मा चल॥”

आरती करें

राखी बांधने के बाद भाई की आरती उतारें और भगवान से उसके सुख, स्वास्थ्य, समृद्धि एवं दीर्घायु की प्रार्थना करें।

मिठाई खिलाएं

भाई को मिठाई खिलाएं और भाई भी अपनी बहन को मिठाई खिलाकर उसके सुख एवं समृद्धि की कामना करें।

उपहार और आशीर्वाद

भाई अपनी बहन को उपहार देकर उसके सम्मान, सुख और सुरक्षा का संकल्प लें। दोनों एक-दूसरे का आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ लें।

रक्षाबंधन पूजा का आध्यात्मिक महत्व

राखी का धागा भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है। पूजा के दौरान की जाने वाली प्रार्थना का उद्देश्य केवल भाई की रक्षा नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, सम्मान, सुख और आपसी सहयोग को मजबूत करना भी है।